surplus quantities of rice straw and rice husk in the country.

उत्तर प्रदेश की श्रीनगर जल-विद्युत परियोजना के लिए विश्व बैंक से ऋण

3011. **श्री आनंद प्रकाश गौतम:** क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व बैंक ने उत्तर प्रदेश की श्रीनगर जल-विद्युत परियोजना के लिए कोई धनराशि मंजूर की है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में कितनी धनराशि मंजूर की गयी है;

(ग) उत्तर प्रदेश की इस परियोजना के कब तक पूरा किये जाने की संभावना है?

(घ) उत्तर प्रदेश सरकार ने विश्व बैंक से इस योजना के लिए स्वीकृत की जा चुकी धनराशि के अलावा और कितनी अतिरिक्त धनराशि की मांग की है; और

(ड़) इस संबंध में केन्द्रीय सरकार क्या पहल कर रही है?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) और (ख) श्रीनगर जल विद्युत परियोजना के लिए जुलाई, 1988 में विश्व बैंक द्वारा 223.9 मिलियन अमरीकी डालर की राशि का ऋण स्वीकृत किया गया है।

(ग) इस परियोजना की सभी छः यूनिटों को 1997-98 के दौरान चालू किए जाने की आशा है।

(घ) श्रीनगर जल विद्युत परियोजना के लिए विश्व बैंक द्वारा पहले स्वीकृत किए गए ऋण के अलावा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसी प्रकार की अतिरिक्त राशि के लिए अनुरोध नहीं किया गया है।

(ड) प्रश्न नहीं उठता।

दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान द्वारा बिजली की दरों में वृद्धि

3012. **श्रीमती वीणा वर्मा:**
श्रीमती बसंती शर्मा:

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री 25 फरवरी, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 192 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रदाय संस्थान ने पिछले वर्ष बिजली की दरों में वृद्धि की थी;

(ख) यदि हां, तो इस वृद्धि के परिणामस्वरूप कितना अनुमानित लाभ होने का लक्ष्य रखा गया है; और

(ग) इस समय लाभ की प्रतिशतता क्या है?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) से (ग) दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान (डेसू) द्वारा 1.3.91 से विद्युत संबंधी टैरिफ में संशोधन किए जाने के परिणामस्वरूप इसके द्वारा वर्ष 1991-92 के बजट अनुमानों में 23.79 करोड़ रु० के अधिशेष का अनुमान लगाया गया है। निवेश संबंधी लागत में वृद्धि, उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग संबंधी स्वरूप में परिवर्तन आदि के फलस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष में डेसू द्वारा अधिशेष अर्जित किए जाने की संभावना नहीं है।

Winding up of refuse In Incineration-Cum-Power-Generation Plant at Delhi

3013. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a refuse incineration-cum-power generation plant set up in North Delhi by a Danish firm never functioned since, 1987;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) what action has been taken by Government to recover the cost/ compensation from the Danish firm for its non-functioning?

THE MINISTERY OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND

NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes- Sir, the plant did not function satisfactorily as per the contract.

(b) Failure of the turnkey contractor M/s Volund to rectify the defects and demostrate its performance as per the contract.

(c) Compensation for the entire expenditure incurred on the project has been claimed from M/s VOLUND.

केन्द्रीय क्षेत्र की विद्युत परियोजनाओं को पूरा किया जाना

3014. **श्री कैलाश नारायण सारंग:**
श्री अजीत जोगी:
कुमारी सुशीला तिरिया:

क्या विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय क्षेत्र के विन्ध्याचल ताप विद्युत संयंत्र की 500 मेगावाट क्षमता को अतिरिक्त ईकाई, कवास गैस आधारित विद्युत परियोजना और गंधार गैस आधारित परियोजना का काम आठवीं योजना अवधि के दौरान पूरा कर लिया जाएगा;

(ख) यदि हां, तो इन परियोजनाओं की अधिष्ठापित क्षमता में से मध्य प्रदेश के लिए कितना विद्युत की आपूर्ति की जायेगी?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम की कवास गैस विद्युत परियोजना चरण-1 और गंधार गैस विद्युत परियोजना चरण-1 को 8वीं योजना के दौरान पूरा किए जाने की प्रत्याशा है। विन्ध्याचल सुपर ताप विद्युत परियोजना चरण-2 का निर्माण कार्य 8वीं योजना अवधि के बाद भी जारी रहेगा।

(ख) इस परियोजनाओं से मध्य प्रदेश को विद्युत का आवंटन, केन्द्रीय ताप विद्युत केन्द्रों से विद्युत के आवंटन हेतु केन्द्रीय फार्मूले के अनुसार किया जाएगा।

Erratic Power Supply in Laxmi Nagar, Delhi

3015. SHRI CHATURANAN MISHRA: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENE RGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that for the last two months there is frequent break-down of electric supply in Laxmi Nagar, J-Ext., N-Block- AP-Block and other adjoining blocks in Delhi;

(b) whether it is also a fact that on two or three occasions breakdown was for more than 30 hours;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) what steps are being taken to improve the power supply and check frequent breakdown?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES. (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (d) According to DESU, there were 8 breakdowns in the said area during the last two months, out of which the electric supply remained disrupted for about 30 hours on one occasion. This was due to the simultaneous fault in both the undergound 11 KV Cables feeding J-Extension Laxmi Nagar Pole-Mounted sub-station. The steps taken to improve the power supply in the area include provision of an additional 11 KV feeder, augmentation of transformer capacity and extensive maintenance of the system.

Rammam Hydel Project in West Bengal

3016. SHRI RATNA BAHADUR RAI: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SO URCES be pleased to state:

(a) when the work on the Rammam Hydel Project in West Bengal has been started and by when it is likely to be completed;

(b) what is the total estimated cost thereof, and how much has been spent on it so far; and

(c) what will be the generating capacity of this project?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-